प्रथम सत्र

B.A. PROGRAMME HINDI-DSC- 1 : हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. काल विभाजन और नामकरण, आदिकालिन काव्य धाराएं –सिध्द, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालिन हिन्दी की सामान्य. विशेषताओं को समझाएंगे।
2. भक्ति आंदोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि. प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताओं को पढ़ाया जाएगा।
3. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबध्द, रीतिसिध्द तथा रीतिमुक्त कवि की जानकारी दी जाएगी।
4. 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताओं की चर्चा के साथ ही महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलिशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा का आकलन किया जाएगा।
5. हिन्दी के गद्य विधाओं का उद्भव और विकास- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध का अध्ययन किया जाएगा

COURSE OUTCOME

1. हिन्दी साहित्य के अवधारणाओं,प्रवृत्तियों विशेषताओं संवेदनाओं का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे।
2. भक्ति आंदोलन के प्रचलित समुचित सामाजिक – सांसकृतिक तथा विविध प्रवृत्तियों का बोध कराएंगे।
3. रीतिकाल की अवधारणाओं का व्यख्या सहित विश्लेषण प्रक्रिया का निरक्षण किय है। जाएगा।
4. 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष एवं हिन्दी नवजागरण की प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं का बोध कराएंगे।
5. हिन्दी के गद्य विधाओं के अवधारणाओं का उद्भव एवं विशेषताओं का समुचित ज्ञान प्राप्त करेंगे।

द्वितीय सत्र

DSC-2 : मध्यकालीन हिन्दी कविता

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. कबीरदास – सतगुरू की महीमा अनंत, बिरहा-बिरहा जिनि कहाँ, मेरा मुझमें कुछ नहीं, कबीरा खड़ा बाजार में, की दोहे की व्याख्या की जाएगी।
2. सूरदास- जा दिन मन पंछी उड़ी जैहैं, जसुमति दौरि लिए हरि कनियां, दोहे को समझएंगे।
3. तुलतसीदास- राम-नाम मणि दीप, उत्तम मध्यम नीचगति, ज्ञान कहे अज्ञान बिनु, एक भरोसो एक बल दोहे को समझाया जाएगा।
4. मीराबाई- राणा जी अब न रहौंगी हटकी, मेरे तो गिरधर गोपाल की व्याख्या की जाएगी।
5. रसखान – मानुष हौं तो वही रसखान, या लकुटी अरु कामरिया दोहे की व्याख्या करेंगे।
6. बिहारी- बढ़त-बढ़त संपति सलिल, बतरस लालच लाल की, कहलाने एकत बसत, दृग उरझत टूटत कुटुम्ब दोहे को समझाया जाएगा
7. भूषण- ब्रह्म के आनन ते निकसे, जा पर साहि तनै दोहों की व्याख्या करेंगे ।
8. घनानंद – पहिले अपनाय सुजान सनेह सौं, झलकै अति सुंदर आनन दोहे की व्याख्या की जनकारी दी जाएगी।

COURSE OUTCOME

1. कबीरदास के जीवन परिचय से लेकर उनके द्वारा रचित दोहों के व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का बोध करएंगे।
2. सूरदास के जीवन परिचय के साथ-साथ उनके दोहों केव्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का अध्ययन किय जाएगा।
3. मध्यकालीन कविता के अन्तर्गत तुलसीदास के व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओंका ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. मीराबाई के दोहों काव्याख्यात्मक विश्लेषण औ रकाव्यगत विशेषताओं का यथावत ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. रसखान के दोहों का व्याख्यात्मकविवेचन-विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं के विषय की जनकरी दी जाएगी।
6. बिहारी के जीवन परिचय उनके दोहों काव्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का बोध कराएंगे।

7. मध्यकालीन कवि भूषण के वीर रस की रचनाओं का व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं को बताएंगे।
8. घनानंद के दोहों के व्याख्यात्मक विवेचन विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का बोध कराएंगे।

तृतीय सत्र

DSC-3आधुनिक हिन्दी कविता

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – भारत अतीत और वर्तमान, अंधेर नगरी का गीत का अध्ययन किया जाएगा।

2. मैथिलीशरण गुप्त – भारत- भारती- छंद संख्या 14(हे भाइयो। सोये बहुत) 18(है ज्ञात क्या तमको नहीं।) का अध्ययन किया जाएगा।

3. जयशंकर प्रसाद –अरुण यह मधुमय, तुम कनक किरण के दोहे की व्याख्या की जाएगी
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला- भगवान बुध्द के प्रति, बादल- राग-1 दोहे की व्याख्या की जाएगी ।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय- नंदा देवी, एक सन्नाटा बुनता हूँ दोहे की व्याख्या की जाएगी।
6. नागार्जुन- चंदू मैंने सपना देखा, गुलाबी चूड़ियां दोहे की व्याख्या की जाएगी।
7. रधुवीर सहाय- मेरा प्रतिनिधि, पीठ का अध्ययन किया जाएगा। ।
8. धूमिल- गाँव,रोटी और संसद दोहे की व्याख्या की जाएगी।

COURSE OUTCOME

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के कविता का व्याख्यात्मक विवेचन विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं को पढ़ेंगे।
2. मैथिलीशरण गुप्त केकाविता का व्याख्यात्मक विवेचन विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं की जनकारी दी जाएगी

3. जयशंकर प्रसाद केकविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का पढ़ेंगे।
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के कविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण औरकाव्यगत विशेषताओं को पढेंगे।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय के कविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं को समझेंगे।
6. नागार्जुन के कविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण औरकाव्यगत विशेषताओं का बोध कराएंगे।

7. रघुवीर सहाय के कविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण औरकाव्यगत विशेषताओं को पढ़ेंगे।
8. धूमिल के कविता का व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं का बोध कराएंगे।

चतुर्थ सत्र

DSC-4 हिन्दी गद्य साहित्य

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. उपन्यास, सुनीता का अध्ययन किया जाएगा।

2. कहानी आहुति, वापसी की जानकारी दी जायेगी ।
3. निबंध में लोभ और प्रीति, शिरीष के फूल को समझाया जाएगा।
4. नाटक में बकरी- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना को पढ़ाया जाएगा।

COURSE OUTCOME

5. उपन्यास के संरचना गठन स्वरूप, प्रकृति प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं जानकारी दी जायेगी।
6. कहानी के संरचनात्मक गठन के साथ-साथ स्वरूप एवं प्रकृति तथा मूल संवेदना को समझेंगे।
7. निबंध विधा के संरचना गठन सहित स्वरूप एवं प्रकृति तथामूल संवेदना का का अध्ययन समझेंगे।
8. नाटक विधा के संरचना गठन प्रकृति स्वरूप तथा प्रवृत्तियों विशेषताओं मूल संवेदना का अध्ययन के दवर समझेंगे।

पंचम सत्र

DSC-5: कबीरदास

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. पाठ्य पुस्तक कबीर ग्रंथावली (संपादक – श्यामसुंदर दास) का अध्ययन किया जाएगा

COURSE OUTCOME

1. कबीर के साखी तथा पदों का विस्तृत सविस्तार व्याख्यात्मक विश्लेषण और काव्यगत विशेषताओं को समझेंगे।

षष्ठम सत्र

DSC-6 : हिन्दी रेखाचित्र

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. शिवपूजन सहाय की रेखाचित्र महाकवि जयशंकर प्रसाद का अध्ययन किया जाएगा।
2. बनारसीदास चतुर्वेदी की रेखाचित्र बाईस वर्ष बाद को समझाया जाएगा।
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी- एककुत्ता और एक मैना का अध्ययन किया जाएगा।
4. महादेवी वर्मा की रेखाचित्र गिल्लू की जानकारी दी जायेगी ।

COURSE OUTCOME

1. शिवपूजन सहाय द्वारा रचित रेखाचित्र विधा के अर्थ, स्वरूप, प्रकृति के साथ महाकवि जयशंकर प्रसाद जीवन के विविध पहलूओं को समझेंगे ।
2. बनारसीदास चतुर्वेदी द्वारा रचित रेखाचित्र बाईस वर्ष बाद के माध्यम से रेखाचित्र विधा के स्वरूप एवं प्रकृति सहित विविध पहलूओं का ज्ञान करेंगे ।
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित एक कुत्ता और मैना के माध्यम से रेखाचित्र के मूल संवेदना को समझेंगे।
4. महादेवी वर्मा द्वारा रचित गिल्लू रेखाचित्र से एक गिलहरी के मूल संवेदना का अध्ययन करेंगे।

प्रथम सत्र

LCC -1 हिन्दी भाषा और साहित्य (MIL)

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. हिन्दी शब्द की उत्पत्ति का अध्ययन किया जाएगा।

2. हिन्दी भाषा की विशेषताएं क्रिया, विभक्ति,सर्वनाम,एवं अव्यय संबंधी की जानकारी दी जायेगी।
3. हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था स्वर एवं व्यंजन तथा इनके प्रकार का अध्ययन किया जाएगा।

4. मुहावरे, लोकोक्तियां, विवध प्रकार के पत्र –लेखन चर्चा की जाएगी।
5. कविता
   कबीर सतगुर सवाँन को सगा, राम नाम के पटंतरे(गुरूदेव को अंग), सबै रसायन मैं किया (रस को अंग), कबीर मन मधुकर भया (परचा को अंग) की चर्चा की जाएगी।
   तुलसादास बध्योबधिक परयो पुन्य जल, हम लखि लखहि हमार लखि, जड़ चेतन गुन दोष नहिं जाचत नहिं संग्रही दोहे को समझाया जाएगा।
   रहीम रहिमन निज मन की व्यथा.., रहिमन धागा प्रेम का...,रहिमन पानी राखिए.....,कदली सीप भुजंगमुख... , दोहे की व्याख्या की जाएगी।
   बिहारी जप माला छापा तिलक...,तंत्री नाद कवित रस...,,कहलाने एकत बसत.....,कहत नटत रीझत..., दोहे को समझाया जाएगा।
6. आधुनिक कविता
   हिमाद्री तुंग श्रंग से (जयशंकर प्रसाद) कविता की व्याख्या की जाएगी।
   ध्वनि (सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला) कविता की चर्चा की जाएगी।
   अकाल और उसके बाद (नागार्जुन) कविता को पढ़ाया जाएगा।
   एक पारिवारिक प्रश्न (केदारनाथ सिंह) कविता की व्यख्या की जायेगी।
7. गद्य साहित्य
   दो बैलों की कथा (प्रेमचंद) कहानी को समझाया जायेगा।
   गिल्लू (महादेवी वर्मा) कहानी की चर्चा की जायेगी।
   ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु) कहानी पढ़ाया जायेगा।
   अधिकार का रक्षक (उपेन्द्रनाथ अश्क) एकांकी का अध्ययन किया जाएगा।

COURSE OUTCOME

1. हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति परक अर्थ, प्रक्रिया, उपयोगिता महत्व तथा विकासक्रम का अध्ययन करेंगे।
2. हिन्दी भाषा की विशेषताएं, क्रिया, विभक्ति,सर्वनाम,एवं अव्यय संबंधी वैयाकारणिक अर्थ, परिभाषा, विविध रूप का निरक्षण करेंगे।
3. हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था स्वर एवं व्यंजन तथा इनके प्रकारतथा उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. मुहावरे, लोकोक्तियां, विवध प्रकार के पत्र –लेखन प्रविधि, प्रक्रिया तथा महत्व का बोध करायेंगे।
5. प्राचीन प्रतिनिधि कवियों की कविता का व्याख्यात्मक विवेचन, विश्लेषण क निरक्षण की जानकारी दी जाएगी। कावयगत विशेषताओं का अध्ययन किया जायेगा और उनकी कविता आज भी प्रसांगिक हैं। उनमें प्रमुख कवि हैं कबीरदास, रहीम, तुलसीदास, बिहारी हैं।
6. आधुनिक प्रतिनिधि कवियों में जयशंकर प्रसाद, नागार्जुन, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा केदारनाथ सिंह हैं उनकी कविता के व्यख्यात्मक विवेचन विश्लेषण का ज्ञान प्राप्त करेंगे। उनकी कविता की काव्यगत विशेषताएं तथा मूल भाव का बोध करायेंगे।
7. गद्य साहित्य के अन्तर्गत प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, गिल्लू तथा उपेन्द्रनाथ अश्क के कहानी, एकांकी के माध्यम से मूल संवेदना का मूल्यांकन करेंगे।

द्वितीय सत्र

AECC-2-MIL हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. हिन्दी व्याकरण एवं रचना- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय का अध्ययन किया जायेगा।
2. उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास को पढ़ाया जायेगा।
3. पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुध्दि, वाक्य शुध्दि की जानकारी दी जायेगी।
4. मुहावरे, लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संप्रेषण का परिचय तथा विश्लेषण को समझाया जायेगा।
5. सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व की जानकारी दी जायेगी।
6. सम्प्रेषण के प्रकार की अवधारणा को पढ़ाया जायेगा।
7. साक्षात्कार , भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन की जानकारी दी जायेग।

COURSE OUTCOME

1. हिन्दी के व्याकरण संबंधी रचनाओं संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय के व्युत्पत्ति परक अर्थ, परिचय तथा परिभाषा का पढ़ेंगे।
2. उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास के अर्थ.परिभाषा को समझेंगे।
3. पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शध्दि, वाक्य शुध्दि का अर्थ को पढ़ेंगे।
4. मुहावरे, लोकोक्तियां, पल्लवन एवं सम्प्रेषण का अर्थ, परिभाषा व्याख्यात्मक विश्लेषण को समझेंगे।
5. सम्प्रेषण की अवधारणा विविध प्रविधि तथा का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
6. सम्प्रेषण के प्रकार तथा उसकी उपयोगिता को समझेंगे।
7. साक्षात्कार, भाषाण कला एवं रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया तथा स्वरूप, प्रकृति को पढ़ेंगे।

तृतीय सत्र

हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप को पढ़ाया जायेगा।
2. हिन्दी भाषा की विशेषताएं क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी रचना की चर्चा किया जायेगा।
3. हिन्दी की वर्ण व्यवस्था स्वर एवं व्यंजन का अध्ययन किया जायेगा।
4. स्वर के प्रकार- हस्व, दीर्घ तथा संयुक्त की जानकारी दी जायेगी।
5. व्यंजन के प्रकार- स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष, बालाघात, संगम, अनुताल, तता संधि प्रक्रिया का विश्लेषण किया जायेगा।
6. हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य एवं उपवाक्य। वाक्य भेद।वाक्य का रूपान्तर का अध्ययन किया जायेगा।
7. भावार्थऔर व्यख्या , आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन का परिचय तथा प्रविधि को पढ़ाया जायेगा।

COURSE OUTCOME

1. भाषा का व्युत्पत्ति परक अर्थ एवं स्वरूप को पढ़ेंगे।
2. हिन्दी भाषा के व्याकरण संबंधी परिभाषा, और अर्थ का ज्ञान प्रप्त करेंगे।
3. हिन्दी के वर्ण व्यस्था का समुचित ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. स्वर के विविध प्रकार की पढ़ाया जायेगा।
5. व्यंजन के प्रकार विविध रूप प्रविधि का बोध कराया जायेगा।
6. हिन्दी के वाक्य संबंधी रचना के भेद और रूपान्तर को समझायेंगे।
7. भावार्थ व्याख्या और आशय लेखन का अर्थ. नियम तथा छंद अलंकार की जानकारी देंगे। और विविध प्रकार के पत्र लेखन के नियम का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रथम सत्र

GE-PAPER-1 सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. रिपोर्ताजअर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि को समझायेंगे।
2. फीचर लेखन विषय –चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन प्रविधि। सामाजिक आर्थिक , सास्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबंध विषयों पर फीचर लेखन को पढ़ाया जायेगा।
3. साक्षात्कार (इन्टरव्यू / भेंटवर्ता) उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार- प्रविधि, महत्त्व की जानकारी दी जायेगी।

COURSE OUTCOME

1. रिपोर्ताज तथा फीचर विधा के व्युत्पत्ति परक अर्थ, स्वरूप, तत्व, प्रविधि का सविस्तार विश्लेषण तथा विवेचन का बोध करायेंगे।
2. फीचर लेखन के विषय चयन सामग्री निर्धारण, लेखन प्रविधि का ज्ञान प्राप्त करेंगे। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबंधित विषयों पर फीचर लेखन की प्रक्रिया का बोध करायेंगे।
3. साक्षात्कार के उद्देश्य, विविध प्रकार, प्रविधि, तथा उसके महत्व का बोध करायेंगे

द्वितीय सत्र

GE- PAPER-IIपाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. अभिव्यंजनावाद स्वच्छंदतावाद,अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, मार्क्सवाद, आधुनिकवाद
2. कल्पना, बिंब,फैंटेसी का अध्ययन किया जायेगा।

3. मिथक और प्रतीक का अध्ययन किया जायेगा।

COURSE OUTCOME

1. पाश्चात्य चिंतन के विविध धारा सैध्दंतिक तकनीकि विश्लेषण की जानकारी देंगे तथा विविध चिंतन धारा के प्रमुख विद्वान का परिचय कराते हुए विविध धार की विशेषतओं का अध्ययन करायेंगे।
2. कल्पना, बिंब, फैंटेसी का अर्थ, प्रविधि, विशेषताएं , महत्व तथा उपयोगिता का बोध करायेंगे।
3. मिथक और प्रतीक का अर्थ, प्रविधि, विशेषताएं, महत्व तथा उपयोगिता की जानकारी देंगे।

तृतीय सत्र

SEC-1 PAPER-1विज्ञापन अवधारणा एवं स्वरूप

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. विज्ञापन अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व । विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ । विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिध्दांत पक्ष के तकनीकी का विशलेषण करायेंगे ।
2. विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन । विज्ञापन अभियान – योजना और कार्यान्वन स्थिति संबंधी विश्लेषण, रणनीति ब्रैंड इमेज । उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियानमें माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका का अध्ययन करायेंगे ।

3. विज्ञापन और माध्यम भेद मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम । विज्ञापनि एजेंसीका प्रबंध । हिन्दी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख एजेंसियों का परिचय । विज्ञापन कानून और आचार संहिता का अध्ययन करायेंगे ।

4. विज्ञापन सृजन संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन । अभिकल्पना (डिजाइन) के सिध्दांत और अभिविन्यास (ले आउट) के तकनीकी क निरक्षण करायेंगे ।

COURSE OUTCOME

1. विज्ञापन के अवधारणा उद्देश्य, महत्व तथा व्यवहारिक नैतिकता तथा विचारधारा का बोध होता है । विज्ञापन के सैध्दांतिक प्रविधि , रूपों का बोध करायेंगे ।
2. विज्ञापन और विपणन का विभिन्न संबंधों से संपर्क, प्रक्रिया, वर्गीकरण का बोध होता है। मीडिया की भूमिका में विज्ञापन का योगदान रणनीति का बखूबी ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
3. विज्ञापन की उपयोगिता दृश्य- श्रव्य, के साथ- साथ विज्ञापन एजेंसी के क्रियान्वत महती भूमिका सा संचालन का बोध होता है । कानून संबंधी हो या आचार संहिता का अवदान

प्रमुख रूप से है विज्ञापन। विज्ञापन ने सभी स्तरों पर अपनी छाप छोड़ी है का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4. विज्ञापन की सृजन प्रक्रिया, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन में विविध नियमों का विधिवत पालन किया जाता है। अभिकल्पना के सैध्दांतिक प्रविधि का विन्यास के आकलन में विधिवत होने का मूलयकंन करेंगे।

पंचम सत्र

SEC-1 Paper-II रचनात्मक लेखन

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. रचनात्मक लेखन के विविध स्वरूप एवं सिध्दांत का अध्ययन किया जाएगा।
2. भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्त्रण की प्रक्रिया का विस्तारित विश्लेषण किया जाएगा।
3. विविध अभिव्यक्ति –क्षेत्र जैसे साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति का विश्लेष्णात्मक अध्ययन किया जाएगा।
4. लेखन के विविध रूप, मौखिक – लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य का यथावत अध्ययन किया जाएगा।
5. रचनात्मक लेखन रचना-कौशल-विश्लेषण प्रक्रिया का विश्लेषण किया जाएगा।
6. रचना सौष्ठ्य शब्द- शक्ति, प्रतीक, विंब, अलंकरण और वक्रताएं का अध्ययन किया जाएगा।
7. विविध विधाओं की आधारभूत रचनाओं का व्यवहारिक अध्ययन किया जाएगा।

क) कविता की संवेदना, काव्यरूप,भाषा-सौष्ठ्व, छंद, लय,गति और तुक का अध्ययन किया जाएगा।

ख) कथा साहित्य में वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श का अध्ययन किया जाएगा।

ग) नाट्य साहित्य में वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म का विश्लेषण किया जाएगा।

घ) विविध गद्य –विधाओं के अन्तर्गत निबंध, संस्मरण और व्यंग्य का विश्लेषण किया जाएगा।

ङ) बाल साहित्य की आधारभूत संरचना का अध्ययन किया जाएगा।

8. सूचना तंत्र के लिए लेखन का अध्ययन किया जाएगा।
9. प्रिंट माध्यम के अन्तर्गत फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया जाएगा।
10. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन का सविस्तार अध्ययन किया जाएगा।

COURSE OUTCOME

1. रचनात्मक लेखन के विविध स्वरूप एवं सिध्दांत का मूल्यांकन करेंगे।
2. भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्त्रण की प्रक्रिया का विस्तारित विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. विविध अभिव्यक्ति –क्षेत्र जैसे साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति का विश्लेष्णात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. लेखन के विविध रूप, मौखिक – लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य का मूल्यांकन करेंगे।
5. रचनात्मक लेखन रचना-कौशल-विश्लेषण प्रक्रिया का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
6. रचना सौष्ठ्य शब्द- शक्ति, प्रतीक, विंब, अलंकरण और वक्रताएं का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
7. विविध विधाओं की आधारभूत रचनाओं का व्यवहारिक मूल्यांकन करेंगे।

क) कविता की संवेदना, काव्यरूप,भाषा-सौष्ठ्व, छंद, लय,गति और तुक का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

ख) कथा साहित्य में वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

ग) नाट्य साहित्य में वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

घ) विविध गद्य –विधाओं के अन्तर्गत निबंध, संस्मरण और व्यंग्य का विश्लेषणात्मक मूल्यांकन करेंगे।

ङ) बाल साहित्य की आधारभूत संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

8. सूचना तंत्र के लेखन का बोध कराएंगे।
9. प्रिंट माध्यम के अन्तर्गत फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा विस्तारपूर्वक विश्लेषण बोध कराएंगे।
10. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे।

पंचम सत्र

SEC-2 Paper 1 चलचित्र लेखन

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. भारतीय सिनेमा के इतिहास का सविस्तार अध्ययन किया जाएगा।
2. हिन्दी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन-प्रणासी या प्रविधि विशेलेष्णात्मक अध्ययन किया जाएगा।
3. रीमेक फिल्मों के भाषिक पक्ष तथा समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना का सविस्तार अध्ययन किया जाएगा।
4. वृत्त चित्र की निर्माण पध्दति, फीचर तथा हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिल्मों (एड-फिल्में) का विश्लेष्णात्मक अध्ययन किया जाएगा।
5. हिन्दी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका का अध्ययन किया जाएगा।

COURSE OUTCOME

1. भारतीय सिनेमा के इतिहास का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
2. हिन्दी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन-प्रणासी या प्रविधि विशेलेष्णात्मक मूल्यांकन करेंगे।
3. रीमेक फिल्मों के भाषिक पक्ष तथा समकालीन हिन्दी फिल्मों की भाषिक संरचना का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4. वृत्त चित्र की निर्माण पध्दति, फीचर तथा हिन्दी में निर्मित विज्ञापन फिल्मों (एड-फिल्में) का विश्लेष्णात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
5. हिन्दी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

षष्ठम सत्र

SEC- 2 Paper-II संभाषण कला

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. संभाषण का अर्थ, संभाषण के विभिन्न रूप –वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक, अभिव्यक्ति, जन संबोधन का सविस्तार अध्ययन किया जाएगा।
2. संभाषण कला के प्रमुख उपादानों का यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अंतराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट) का विश्लेष्णात्मक अध्ययन किया जाएगा।
3. संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट) आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग) वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता , कहानी, व्यंग्य आदि) का सविस्तार अध्ययन किया जाएगा।
4. वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद का अध्ययन किया जाएगा।

COURSE OUTCOME

1. संभाषण का अर्थ, संभाषण के विभिन्न रूप –वार्तालाप, व्याख्यान, वाद-विवाद, एकालाप, अवाचिक, अभिव्यक्ति, जन संबोधन का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
2. संभाषण कला के प्रमुख उपादानों का यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अंतराल ध्वनि (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट) का विश्लेष्णात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट) आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग) वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता , कहानी, व्यंग्य आदि) का सविस्तार ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
4. वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद का मूल्यांकन करेंगे।

तृतीय वर्ष

COMPULSORY HINDI अनिवार्य हिन्दी (MIL)

COURSE OBJECTIVES

TO ENABLE THE LEARNERS

1. भाव पल्लवन, संक्षेपण परिचय एवं प्रक्रिया अध्ययन किया जायेगा।
2. विज्ञापन लेखन अध्ययन किया जायेगा।
3. विवध प्रकार के पत्र –लेखनव्यवहारिक, कार्यलयी,व्यवसायिक अध्ययन किया जायेगा ।
4. परिभाषिक शब्दावली अध्ययन किया जायेगा ।
   साहित्य
5. कविता
   प्राचीन प्रतिनिधि कवियों की कविताओं को पढ़ाया जायेगा उनमें प्रमुख कवि हैं कबीरदास, रहीम, तुलसीदास, बिहारी हैं।
6. आधुनिक प्रतिनिधि कवियों में जयशंकर प्रसाद, नागार्जुन, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा सर्वेश्वरदयाल सक्सेना जी हैं उनकी कविता के व्यख्या अध्ययन किया जायेगा ।
7. गद्य साहित्य के अन्तर्गत प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, महादेवी वर्मा तथा भीष्म साहनी के कहानी, एकांकी के माध्यम से मूल संवेदना का बोध करायेंगे।

COURSE OUTCOME

1. भाव विस्तार की प्रक्रिया तथा संक्षेप में लिखने का बोध करायेंगे।
2. विज्ञापन से संबंधित प्रविधि, विविध प्रकार के विज्ञापन लेखन का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3. विवध प्रकार के पत्र –लेखनप्रविधि, प्रक्रिया तथा महत्व का बोध करायेंगे।
4. पारिभाषिक शब्दावली के अनर्गत विविध अंग्रेजी शब्दों का हिन्दी में रूपान्तर किये जाने का बोध करायेंगे
5. प्राचीन प्रतिनिधि कवियों की कविता का व्याख्यात्मक विवेचन, विश्लेषण करेंगे तथा उनकी काव्यगत विशेषताएं मूल भाव का बोध करायेंगे। और उनकी कविता आज भी प्रसांगिक हैं। उनमें प्रमुख कवि हैं कबीरदास, रहीम, तुलसीदास, बिहारी हैं।
1. आधुनिक प्रतिनिधि कवियों में जयशंकर प्रसाद, नागार्जुन, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला तथा सर्वेश्वरदयाल सक्सेना जी हैं उनकी कविता के व्यख्यात्मक विवेचन विश्लेषण का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
6. उनकी कविता की काव्यगत विशेषताएं तथा मूल भाव का मूल्यांकन करेंगे।
7. गद्य साहित्य के अन्तर्गत प्रेमचंद, फणीश्वरनाथ रेणु, महादेवी वर्मा तथा भीष्म साहनी के कहानी, एकांकी के माध्यम से मूल संवेदना का मूल्यांकन करेंगे।